ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

माउण्ट आबू | अगस्त - 2022 | अंक - 09 | वर्ष -24

ब्रह्माकुमारीज़ ओम शांति रिट्रीट सेंटर

'करुणा और दया के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' में शरीक हुए केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में 'करुणा और दया के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' वार्षिक थीम के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए केरल के राज्यपाल माननीय आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि यहां पर बिताए हुए पलों को शब्दों के द्वारा अभिव्यक्त करना बहुत मुश्किल है। आध्यात्मिक ऊर्जा और शांति के प्रकम्पन मन को शक्तिशाली बना देते हैं। उन्होंने कहा कि स्वर्णिम विश्व के निर्माण में करुणा और दया का भाव ज़रूरी है। कोई भी इंसान बगैर प्रेम के नहीं रह सकता, लेकिन वही प्रेम जब योग के माध्यम से परमात्मा से जुड़ जाता है तो करुणा और दया का संचार होता है। ज़रूरत है तो सिर्फ अपने आदर्शों के प्रति वफादारी की। राज्यपाल ने कहा कि भारत हमेशा से ही ज्ञान और प्रज्ञा का केन्द्र रहा है। भारत ने सर्व धर्म समभाव की धारणा को अपनाया है। सबको शरण दी है। भारत की संस्कृति 5000 वर्ष पुरानी है। भारत ने ही विश्व को आदर्शों और मूल्यों का ज्ञान दिया है। उन्होंने आगे कहा कि इंसान सामूहिक रूप से रहता है। हमारे शास्त्रों में विश्व को एक परिवार माना गया है। इन सबका आधार वास्तव में आत्मिक भाव है। ब्रह्माकुमारीज़ सही अर्थों में आज वही कार्य कर रही है। मानवता को आत्मिक बोध करा रही है। ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन भाई ने कहा कि दुःख का असली कारण जीवन में पाँच विकारों का प्रभाव है। आध्यात्मिक ज्ञान से ही हम इन बुराइयों से मुक्त हो सकते हैं। ओ.आर.सी. निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि करुणा और दया जैसे मूलभूत गुणों की जागृति से ही मानव, मानव से जुड़ सकता है। राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी ने कहा कि करुणा और दया आत्मा में मानव और प्रकृति के प्रति कल्याणकारी भाव पैदा करते हैं। बीएमएल मुंजाल विश्व विद्यालय के कुलपति मनोज के. अरोड़ा ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा में आध्यात्मिकता को जोड़ना ज़रूरी है। जी.डी. गोयंका विश्व विद्यालय के कुलपति डॉ. तबरेज़ अहमद ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था चरित्र निर्माण का असली कार्य कर रही है। असली सुख आध्यात्मिक जीवन में है न कि भौतिक साधनों के संग्रह में। ब्र.कु. सुनैना बहन ने सभी को गहन राजयोग की अनुभूति कराई। संचालन ब्र.कु. हुसैन बहन ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

माननीय राज्यपाल ने 'कल्प तरु' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया

परमात्म ऊर्जा का केन्द्र है शांतिवन : केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत

शांतिवन-आबू रोड। 'सत्यम्-शिवम्-सुन्दरम्' इस बीज मंत्र के माध्यम से वर्तमान युग में करोड़ों लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने और इस सहज राजयोग के माध्यम से परमतत्व के साथ साक्षात्कार का मार्ग प्रशस्त करने वाले परमपिता शिव और इस पवित्र धरती को मैं प्रणाम करता हूँ। मुझे अत्यन्त प्रसन्नता है कि बहुत देर से ही सही लेकिन आज इस पुनीत स्थल पर आप सबके बीच में आने का अवसर मिला है। अनेक वर्षों से मेरे मन में ये था कि मुझे एक बार अवश्य इस पवित्र स्थान पर जाकर यहाँ पर व्याप्त ऊर्जा को अनुभव करना चाहिए। ब्रह्माकुमारीज़ के साथ मेरा सतत् सम्पर्क रहा है। मेरे बाल्यकाल में जब मैं विद्यालय में पढ़ता था उस समय भी मेरी माता जी ब्रह्माकुमारी बहनों के सम्पर्क में थीं। उस समय से ही इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय के साथ में मेरा जुड़ाव रहा है। इस स्थान पर आकर निश्चित ही एक अद्वितीय ऊर्जा का अनुभव होता है। कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनके जीवन में परम तत्व के साक्षात्कार तथा एकाकार से ऊर्जा उत्पन्न होती है। जिस जगह पर आत्मा का परमात्मा से मिलन हुआ हो, ऐसी जगह जहाँ अनेक-अनेक लोग पिछले इतने वर्षों में आत्मा के परमात्मा के साथ जुड़ाव के रास्ते पर इतना आगे बढ़े हों, निश्चित ही उस जगह से सृजित ऊर्जा का प्रभाव न केवल वहाँ के वातावरण और वायुमण्डल पर अपितु वहाँ के पर्वत, जंगल, पानी, पेड़, पौधे सब पर पड़ता है। यहाँ अभी मैं बाबा के महावाक्य 'मुरली' सुन रहा था, उसमें एक वाक्य आया कि आसक्ति जो जुड़ाव है वो हमें भटकाव के रास्ते पर ले जाता है। उस भटकाव से मुक्त करके लाखों-लाखों के जीवन को उस परमतत्व की तरफ ले जाने के इस केन्द्र ने और निश्चित रूप से इस मार्ग ने भारत की संस्कृति का प्रकीर्णन न केवल देश बल्कि समस्त विश्व भर में किया।

"आज़ादी के अमृत महोत्सव के तहत ब्रह्माकुमारीज़ ने तीन माह में 15000 कार्यक्रमों का लक्ष्य किया हासिल

"कल्प तरु परियोजना के तहत पर्यावरण के संरक्षण हेतु संस्थान् ने लगाये 7500000 पौधे

शारीरिक स्वास्थ्य के साथ आध्यात्मिक स्वास्थ्य से होगी सम्पूर्ण स्वास्थ्य की परिकल्पना साकार

नरसिंहपुर-म.प्र.। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान के तहत ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मियों के सम्मान में आयोजित समारोह में मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए.के. जैन ने कहा कि लोग हमें भगवान की उपाधि देते हैं, लेकिन भगवान तो भगवान है। जब स्वास्थ्य के क्षेत्र में हम हार मान जाते हैं तो हम भी उस भगवान की ही शरण में जाते हैं। ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. कुसुम दीदी ने स्वास्थ्य की परिभाषा बताते हुए कहा कि सम्पूर्ण स्वास्थ्य केवल शारीरिक स्वास्थ्य नहीं अपितु मानसिक स्वास्थ्य, पारिवारिक स्वास्थ्य, सामाजिक स्वास्थ्य और आध्यात्मिक स्वास्थ्य, जब ये सब हो तब ही सम्पूर्ण स्वास्थ्य कहेंगे। ब्र.कु. प्रीति बहन ने सभी डॉक्टर्स को राजयोग का महत्व बताते हुए राजयोग की गहन अनुभूति कराई। मेडिकल स्पेशलिस्ट डॉ. संजीव चांदोरकर भी अपने विचार रखे। अंत में सभी डॉक्टर्स को परमात्म वरदान कार्ड एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर विंध्य क्षेत्र के चिकित्सकों को ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा किया गया सम्मानित

मानवता के दु:ख, दर्द का निवारण करते हैं डॉक्टर

चिकित्सकों ने एक-एक पेड़ लगाकर धरती को हरा-भरा बनाने का लिया संकल्प

रीवा-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस पर विंध्य क्षेत्र के वरिष्ठ चिकित्साविदों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला दीदी ने कहा कि डॉक्टर को भगवान का दूसरा दर्जा देते हैं। मानव को सुखी बनाने में चिकित्सक वर्ग का बहुत बड़ा योगदान है। डॉ. संजीव शुक्ला,उपसंचालक,स्वास्थ्य सेवाएं रीवा ने कहा कि समाज को सदाचारी और सुखी बनाने में इस संस्था का महत्वपूर्ण योगदान है। डॉ. अवतार सिंह,प्राध्यापक एवं अधीक्षक,संजय गांधी हॉस्पिटल रीवा ने कहा कि मानवता की सेवा में ब्रह्माकुमारीज़ की सेवाएं बहुत ही महत्वपूर्ण और उपयोगी हैं। डॉ. के के परोहा,वरिष्ठ समाजसेवी एवं सेवानिवृत्त अधीक्षक,संजय गांधी हॉस्पिटल रीवा ने कहा कि समाज को सदाचार, मूल्य निष्ठ एवं योग युक्त मूल्यों से परिपूर्ण बनाने में इस संस्थान का अतुलनीय योगदान है। इस अवसर पर ब्रह्मचारी विजय शंकर महाराज एवं ब्रह्मचारी गौरव तिवारी,महंत,पंचमठ आश्रम रीवा ने अपने माउंट आबू यात्रा के विशिष्ट अनुभव को साझा किया। आरंभ में विंध्य क्षेत्र के लोकप्रिय गीतकार नीलेश श्रीवास्तव एवं साथी गीतकार सुनील भारती ने सुंदर गीतों की प्रस्तुति देकर उपस्थित चिकित्सकों को परमात्म रंग में रंग दिया और अपने गीतों के माध्यम से सभी चिकित्सकों का भावपूर्ण सम्मान किया। इस मौके पर डॉ. पंकज चौधरी, डॉ. विद्या भूषण सिंह, डॉ. एल.एम. कुशवाहा, डॉ. भास्कर रेड्डी, डॉ. अतुल झा, डॉ. आदेश पाटीदार, डॉ. सोनल अग्रवाल, डॉ. पद्मावती पांडे, डॉ. एच के पांडे, डॉ सोनल अग्रवाल, वाय.एस. बघेल, डॉ. शैलजा सोनी, डॉ. निशा गुप्ता, डॉ. विभांशु दुबे, डॉ. रिचा सिंह, डॉ. आर.पी. मिश्रा, डॉ. आदित्य कुमार तिवारी, डॉ. शैलेंद्र कुमार सोनी, डॉ. विनी शराफ, डॉ. शैलजा सोनी, डॉ. विकास श्रीवास्तव, अतुल कुमार, हाजी ए.के. खान, डॉ. आर.एन. नामदेव, डॉ. संतोष सोनी, डॉ. मंदाकिनी साहू, डॉ. सरोज सोनी आदि चिकित्सकों को सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह के दौरान चिकित्सकों ने अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए एक-एक पेड़ लगाकर धरती को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया।